खबर संक्षेप

जनपद सीईओ ने ग्राम पंचायतों का किया औचक निरीक्षण

जयसिंहनगर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जयसिंहनगर शिवानी जैन ने शुक्रवार 29 अगस्त को ग्राम पंचायत देवरा, बसोहरा एवं बरना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य रूप से अधूरे प्रधानमंत्री आवास को जल्द से जल्द पूरा कराने हेतु हितग्राहियों को समझाइश दी एवं अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण करते हुए उसके गुणवत्तापूर्ण निर्माण के निर्देश दिए। इस दौरान उनके साथ प्रधानमंत्री आवास के ब्लॉक समन्वयक राघवेन्द्र पटेल, पीसीओ परदेशी राम आर्मो सहित भास्कर सिंह सेंगर उपस्थित रहे।

जिले में खेल प्रतियोगिताओं का शुरू हुआ आयोजन

शहडोल। समाज में कभी यह धारणा थी कि पढ़ोंगे लिखोगे तो होगे नवाब, खेलोगे कूदोगे तो होगे खराब। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारत नें अपनी शाख बनाई है। खेला इंडिया, फिट इंडिया प्रधानमंत्री जी का नारा है। आज गांव-गांव शहर-शहर में छोटे-छोटे बच्चे खेलते दिख जाते हैं। इन बच्चों को खेलते हुए देखकर अत्यन्त प्रशन्नता होती है। यह विचार शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने जिला मुख्यालय शहडोल में खेल दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर रेलवे खेल मैदान में आयोजित बालीबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। इसके पूर्व सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह एंव विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह नें हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। बालीबाल टीम के खिलाडिय़ों से परिचय प्राप्त किया। सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य ही उत्तम धन है। स्वस्थ्य रहने के लिए खेल सबसे अच्छा माध्यम है। इस आयोजन का उद्देश्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के युवाओं और नागरिकों को फिटनेश की ओर प्रेरित करनें तथा एक घंटा खेल मैदान में योग तथा खेल गतिविधियों में शामिल कराना है।इस अवसर पर उन्होने बताया कि 21 सितम्बर से 25 दिसम्बर तक शहडोल संसदीय क्षेत्र के सभी जिलों में सांसद खेल महोत्सव 2025 का आयोजन किया जाएगा। इन खेलों में पारम्परिक खेलों के साथ ही एथलेटिक्स, फुटबाल, बालीबाल, क्रिकेट, देशी खेल, खो-खो, कबड्डी, गिल्ली डंडा की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह नें कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में खेल का वातावरण तैयार हुआ है। छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग तक को स्वस्थ्य रखने के लिए राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश में ग्राम स्तर से लेकर राजधानी तक पारंपरिक खेल एवं प्रतियोगी खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। खेलों से भाईचारा और सामाजिक एकता तथा राष्ट्रीय गौरव एवं अनुशासन की भावना का विकास होता है। इस अवसर पर सांसद एवं विधायक नें खिलाडिय़ों को खेल किट का वितरण किया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ फर्जी बिल, कार्रवाई पर सवाल

भ्रष्टाचार का अड्डा बनता शहडोल

पंचायतों में भ्रष्टाचार का नया कारनामा 2500 ईंटों पर 1.25 लाख का बिल, बिना ई-टीपी के 45 ट्रॉली रेत खरीदी

शहडोल। शहडोल जिला एक बार फिर अपने भ्रष्टाचार के कारनामों से सुर्खियों में है। पंचायतों में विकास कार्य के नाम पर फर्जी बिल पास कर लाखों की बंदरबांट का खेल खुलेआम जारी है। कभी चार लीटर पेंट से स्कूल की पुताई पर लाखों का बिल बनता है, तो कभी दो पन्नों की फोटोकॉपी पर हजारों का भुगतान। ताजा मामला ढाई हजार ईंटों को 1.25 लाख में खरीदने और बिना ई-टीपी के 45 ट्रॉली रेत के बिल का है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

भ्रष्टाचार की कहानियों से बदनाम हो चुके शहडोल जिले की पंचायतों में एक और नायाब कारनामा सामने आया है। जिले की जनपद पंचायत बुढ़ार की ग्राम पंचायत भटिया से ऐसा फर्जी बिल वायरल हुआ है, जिसने एक बार फिर पंचायतों की कार्यप्रणाली और सरकारी राशि के दुरुपयोग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल, पंचायत के विकास कार्य के नाम पर महज 2500 ईंटों की खरीदी दिखाकर 1.25 लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया। सोशल मीडिया पर वायरल इस बिल में साफ-साफ उल्लेख है कि ग्राम परिबहरा निवासी चेतन प्रसाद कुशवाहा से 2500 ईंटें पांच रुपये प्रति ईंट की दर से खरीदी गईं, लेकिन वास्तविक भुगतान की राशि 1.25 लाख रुपये दर्शाई गई। इस बिल पर पंचायत सचिव और सरपंच दोनों के हस्ताक्षर और सील मौजूद है। आरोप है कि इस रकम को आपस में बांटकर पंचायत निधि पर डाका डाला गया।

पेंट, ड्रायफ्रूट और फोटोकॉपी के बाद अब ईंट-रेत घोटाला

यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले शहडोल की पंचायतों और विभागों से कई अजीबोगरीब कारनामे सामने आ चुके हैं। एक स्कूल में महज चार लीटर पेंट से पुताई दिखाकर 168 मजदूर और 68 राजमिस्त्रियों का बिल बनाकर 1.07 लाख रुपये निकाल लिए गए। जलगंगा संवर्धन अभियान के दौरान एक घंटे की चौपाल में 14 किलो ड्रायफ्रूट, 6 लीटर दूध और 5 किलो चीनी का बिल पास किया गया। ग्राम पंचायत कुदरी में दो पन्नों की फोटोकॉपी का बिल 4000 रुपये पास किया गया। इन सबके बीच अब पंचायत सचिव और सरपंच का नया खेल सामने आया है—2500 ईंटों का 1.25 लाख का बिल।

रेत में भी भारी गड़बड़ी

भ्रष्टाचार का यह खेल केवल ईंट तक सीमित नहीं रहा। जनपद पंचायत बुढ़ार के अंतर्गत बिल टिकुरी ग्राम पंचायत से भी बड़ा घोटाला सामने आया है। यहां शिवांश ट्रेडर्स द्वारा पंचायत को 45 ट्रॉली रेत 2000 रुपये प्रति ट्रॉली की दर से दिखाकर 99,000 रुपये का बिल प्रस्तुत किया गया। जबकि वास्तविक लागत महज 85,000 रुपये के आसपास बताई जा रही है। इतना ही नहीं, जांच में यह भी खुलासा हुआ कि पंचायत के पास रेत खरीदी की अनिवार्य ई-टीपी (इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजिट पास) तक मौजूद नहीं है। खनिज विभाग से किसी प्रकार की अनुमति लिए बिना स्थानीय नदी-नालों से रेत निकालकर फर्जी बिल के जरिए इसका भुगतान कर दिया गया। यह सीधे तौर पर सरकारी नियमों और खनिज अधिनियम का उल्लंघन है।

पहले भी हुआ काजू का फर्जी बिल

भादवाई ब्लॉक से भी पूर्व में काजू और मिठाई जैसे सामानों के नाम पर फर्जी बिल पास करने के मामले सामने आए थे। पंचायतों में विकास कार्य के लिए भेजी जाने वाली राशि किस तरह बंटवारे की भेंट चढ़ रही है, इसकी बानगी इन मामलों में साफ देखी जा सकती है। वायरल बिल सामने आने के बाद पूरे जिले में इस भ्रष्टाचार की चर्चा है। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर पंचायतों में इस तरह के कारनामों पर अंकुश कब लगेगा। सोशल मीडिया पर लोग तंज कसते हुए कह रहे हैं कि करप्शन सीखना है तो शहडोल से सीखे।

कलेक्टर ने कही जांच की बात

जब इस मामले को लेकर शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि एसडीएम को मौके पर भेजकर जांच करवाई जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह जांच महज औपचारिकता होगी या फिर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी?

बड़ा सवाल - कब थमेगा भ्रष्टाचार?

लगातार सामने आ रहे इन कारनामों ने जिले की साख को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। छोटे-छोटे विकास कार्यों में जिस तरह से फर्जी बिलों के जरिए सरकारी राशि की बंदरबांट हो रही है, उससे यह साफ है कि पंचायतों और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत बिना यह संभव नहीं। जनता की गाढ़ी कमाई से जुटाए गए करों से सरकार जो राशि विकास के लिए भेजती है, वह वास्तविक काम पर खर्च होने की बजाय भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। ऐसे में यह जरूरी है कि इन मामलों की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि शहडोल का नाम भ्रष्टाचार की बजाय विकास की कहानियों के लिए जाना जाए।

रेडक्रॉस सोसाइटी में नियुक्ति पर उठे सवाल

पहले सचिव बने या पहले सदस्य, चर्चाओं का बाजार गर्म

शहडोल। जिले की रेडक्रॉस सोसाइटी इन दिनों रहस्यमयी पहेली बनी हुई है। हाल ही में पूर्व सीएमएचओ एवं सेवानिवृत्त सर्जन डॉ. राजेश पांडे को सचिव नियुक्त किया गया, लेकिन अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या उन्हें पहले सदस्य बनाया गया था या सचिव पद की कुर्सी पहले थमा दी गई? चर्चा है कि डॉक्टर साहब की नियुक्ति पहले सचिव के रूप में कर दी गई, और जब नियमों का पन्ना पलटा गया तो आनन-फानन में उनकी सदस्यता की रसीद काट दी गई। चूंकि सदस्यता रसीद पर समय का उल्लेख नहीं होता, लिहाजा विवाद और गहरा गया।

नियम साफ, पर हकीकत उलटी?

भारत सरकार के 2009 के दिशा-निर्देश साफ कहते हैं, सचिव वही बन सकता है, जो सदस्य हो, लेकिन शहडोल में मामला उल्टा चलता दिख रहा है। नियुक्ति के बाद सदस्यता दिलाए जाने की चर्चाओं ने नियम और हकीकत को आमने-सामने ला खड़ा किया है। यह प्रकरण भाजपा और स्थानीय राजनीति में भी सुगबुगाहट पैदा कर रहा है। कई नेताओं का कहना है कि बिना सिफारिश या संगठन से अनुशंसा के किसी पद तक पहुंचना नामुमकिन है, मगर यहां डॉक्टर साहब बिना किसी रसूख सीधे सचिव बन बैठे। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या इस नियुक्ति के पीछे कोई अदृश्य हाथ काम कर रहा है?

जनता की जुबान पर तंज

नगर में लोग चुटकी लेते हुए कह रहे हैं, यह तो ऐसा हो गया जैसे पहले वरमाला डाल दी जाए और बाद में शादी का कार्ड छपवाया जाए। यानी, नियुक्ति पहले और सदस्यता बाद में। प्रशासनिक स्तर पर भी यह सवाल दबे स्वर में गूंज रहा है, लेकिन कोई खुलकर बोलने को तैयार नहीं। आम धारणा यही है कि बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधे? अब देखना यह है कि रेडक्रॉस सोसाइटी की यह नियुक्ति महज़ औपचारिकता साबित होती है या फिर जांच पड़ताल के बाद सच्चाई सामने आएगी।

आज से सहकार भारती महाकौशल प्रांत का अभ्यास वर्ग

शहडोल। सहकार भारती महाकोशल प्रांत का अभ्यास वर्ग आगामी 30 एवं 31 अगस्त 2025 को गाडरवारा (जिला नरसिंहपुर) में आयोजित होगा। इस आशय की जानकारी गुरुवार को शाम 6 बजे सहकार भारती जिला इकाई शहडोल की बैठक में दी गई। बैठक का आयोजन प्रदेश प्रमुख क्रेडिट प्रकोष्ठ डॉ. गोपाल प्रसाद निगम के मार्गदर्शन में किया गया। जिलाध्यक्ष संजय निगम ने अभ्यास वर्ग से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की और बताया कि जिले के प्रमुख पदाधिकारियों—महामंत्री, संगठन प्रमुख, सह-संगठन प्रमुख, महिला प्रमुख एवं सह-महिला प्रमुख की सहमति अभ्यास वर्ग में सहभागिता हेतु प्राप्त की गई है। बैठक में डॉ. गोपाल निगम, संजय निगम, राजेश श्रीवास्तव, निखिलेश तिवारी उपस्थित रहे, वहीं अभिमान सिंह जोधावत, श्रीमती संगीता शुक्ला एवं श्रीमती शोभा रत्नम ने ग्रुप कॉल के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए विचार व्यक्त किए।

वायरल वीडियो ने ब्योहारी में मचाई खलबली

नोट गिनने की मशीन और मौन प्रशासनः आखिर खेल क्या है?

ब्योहारी। नगर का माहौल इस समय किसी मसालेदार सस्पेंस फिल्म से कम नहीं है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो ने तहलका मचा दिया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक कपड़ा दुकान के भीतर नोटों की गड्डियां बड़े ही ठाठ से दो पंक्तियों में सजी हैं। मानो कपड़ों के बजाय नोटों का सेल-ऑफर चल रहा हो। गड्डियों को सजाने के बाद मशीन से गिनकर किसी शख्स के सामने रखा जा रहा है। वीडियो बनाने वाले की कैमरा पकड़ थोड़ी डगमगाई ज़रूर, लेकिन नोटों की गिनती में किसी तरह की कमी नहीं छोड़ी गई। अब सवाल यह है कि ब्योहारी की एक दुकान में इतनी बड़ी रकम का लेन-देन आखिर किस सौदे के तहत हुआ? और यह रकम किसको सौंपी गई? इस पर चर्चा तेज़ है। नगर की गली-गली में लोग पूछ रहे हैं, कहां से आया लाखों का माल? और वीडियो में दिख रहे चेहरे आखिर कौन हैं?

काला धन या कारोबार?

वीडियो में नोटों की इतनी गड्डियां देखकर लोगों के मन में पहला सवाल यही उठा कि आखिर व्यापारी भाइयों के पास इतनी नगदी कहां से आ रही है? क्या यह मेहनत की कमाई है, या फिर टैक्स चोरी का कोई नया जुगाड़? आम जनता तो दिनभर बैंक के बाहर खड़ी होकर दो-दो हजार का नोट बदलवाने को तरस जाती है, और यहां लाखों रुपए दुकान में सजावट की तरह रखे जा रहे हैं। बाजार में कानाफूसी है कि यह रकम किसी बड़े सौदे का हिस्सा है। कुछ कहते हैं ज़मीन का खेल है, तो कुछ का कहना है कि चुनावी फंडिंग की तैयारी है, लेकिन सच क्या है, यह तो जांच के बाद ही सामने आएगा।

नेता, व्यापारी और प्रशासन - सबका खेल

नगर में चर्चा है कि ऐसे लेन-देन बिना राजनीतिक संरक्षण के संभव ही नहीं है। सवाल यह भी उठ रहा है कि अगर यह रकम किसी जमीन की रजिस्ट्री से जुड़ी है, तो कितनी की रजिस्ट्री हुई और कितने का राजस्व सरकार से छुपाकर 'कच्चे में' निपटा लिया गया। जनता पूछ रही है , जब लाखों का खेल चल रहा था, तब राजस्व विभाग कहां था? पटवारी और तहसील के अफसर क्या नींद में थे या जानबूझकर आंखें मूंदे बैठे थे? आयकर विभाग की भूमिका पर भी उंगलियां उठ रही हैं। लोग कह रहे हैं कि जब करोड़ों की बेनामी संपत्तियों पर कार्रवाई की जाती है, तो फिर इस खुलेआम नगदी के खेल को देखने वाला कोई क्यों नहीं है? क्या विभाग केवल बड़े शहरों तक ही सीमित रह गया है?

शासन-प्रशासन पर कटाक्ष

ब्योहारी के लोग तंज कसते हुए कह रहे हैं, यहां प्रशासन की भूमिका 'देखो और चुप रहो' तक सिमट गई है। राजस्व विभाग के अधिकारी जमीनी स्तर पर छापे मारने की बजाय खुद का 'जुगाड़' बनाने में व्यस्त बताए जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह वीडियो गुपचुप तरीके से कई सवाल खड़े कर रहा है। क्या वाकई व्यापारी भाई टैक्स चोरी कर रहे हैं? क्या नेताओं और भू-माफियाओं की मिलीभगत से यह सब हो रहा है? और सबसे बड़ा सवाल - क्या यह काला धन धीरे-धीरे सफेद करने की प्रक्रिया का हिस्सा है?

जनता के सवाल और प्रशासन की चुप्पी

नगर की जनता में गुस्सा है। लोगों का कहना है कि आम आदमी अगर बैंक से पांच लाख भी निकाल ले तो सौ सवाल खड़े कर दिए जाते हैं। बैंक मैनेजर से लेकर इनकम टैक्स तक की नज़र उस पर पड़ जाती है, लेकिन जब करोड़ों के लेन-देन खुलेआम दुकानों में हो रहे हैं, तब कोई पूछने वाला नहीं है। कई नागरिक व्यंग्य करते हैं, लगता है अब ब्योहारी के व्यापारी बैंक खोलने की तैयारी में हैं। बस चेकबुक और एटीएम मशीन की कमी है, बाकी सब सुविधाएं तो दुकान में उपलब्ध हैं।

वायरल वीडियो और राजनीति

वीडियो के वायरल होते ही नगर के राजनीतिक गलियारों में भी खामोशी छा गई है। कोई भी इस मामले पर खुलकर बोलने को तैयार नहीं है। विरोधी दल चुप्पी साधे हुए हैं और सत्ताधारी खेमे में भी केवल कानाफूसी चल रही है। जनता को लग रहा है कि शायद यह मामला भी अन्य मामलों की तरह 'जांच के नाम पर रफा-दफा' हो जाएगा।

व्यवस्था पर खड़े हो रहे सवाल

ब्योहारी का यह वायरल वीडियो सिर्फ एक व्यापारी या एक सौदे का मामला नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था पर भी सवाल उठाता है जहां आम आदमी के छोटे से लेन-देन पर सख्ती बरती जाती है और बड़े सौदागर खुलेआम नोटों की गड्डियां सजाकर मशीन से गिनवाते हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन इस वीडियो को महज़ सोशल मीडिया का शोर समझकर अनसुना कर देता है या फिर गंभीरता से जांच शुरू करता है। जनता के मन में सवाल गूंज रहा है, क्या यह खेल यूं ही चलता रहेगा या किसी दिन नोट गिनने वाली मशीन के साथ गिनने वालों पर भी गाज गिरेगी।

प्रतिभागियों को विधायक एवं कलेक्टर ने विजेता मेडल से किया सम्मानित

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मैराथन दौड़ का किया गया आयोजन

शहडोल। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद्र के छायाचित्र पर विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह एवं कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने माल्यार्पण कर तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। जय स्तम्भ चौक में विधायक एवं कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ की शुरूआत की। मैराथन दौड़ शहडोल नगर के जय स्तम्भ चौक से गांधी चौक होते हुए महात्मा गांधी स्टेडियम में समाप्त हुई। तीन दिवसीय खेल कार्यक्रम के तहत गांधी स्टेडियम शहडोल में एथलेटिक्स की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में 100 मीटर की मैराथन दौड़ बालिका वर्ग में खुशी केवट प्रथम, अलिशा वर्मा द्वितीय, एवं प्रिंयका सिंह तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह बालक वर्ग में पुष्पराज सिंह प्रथम, अर्थव पाण्डेय द्वितीय, सृजल विश्वकर्मा तृतीय एवं 3 किमी मीटर की मैराथन दौड़ में बालक वर्ग में अमित भूरिया प्रथम, धीरज बैगा द्वितीय, अंकुश सिंह तृतीय, बालिका वर्ग में सव्या कचेर प्रथम, अलिशा वर्मा द्वितीय एवं खुशी केवट तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता प्रतिभागियो को विधायक एवं कलेक्टर ने मेडल देकर सम्मानित किया।

गौवंश की अवैध ढुलाई में 3 आरोपी गिरफ्तार

उमरिया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम के निर्देश पर अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मानपुर पुलिस ने शुक्रवार देर रात बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया। अवैध रूप से पशुओं (गौवंश) का परिवहन कर रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए पुलिस ने 20 से अधिक मवेशी और दो पिकअप वाहन जब्त किए हैं। जब्त मसरूका की कीमत लगभग 7 लाख 32 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि व्यौहारी से मानपुर की ओर दो पिकअप वाहनों में गौवंश को क्रूरता पूर्वक भरकर लाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मानपुर बायपास रोड स्थित पत्ता गोदाम के पास घेराबंदी की और दोनों वाहनों को रोका। पहले पिकअप से चालक आकाश कुमार यादव उम्र 22 वर्ष, ग्राम पसगढ़ी, थाना व्यौहारी, जिला शहडोल गिरफ्तार हुआ, जिसके वाहन से 8 नग बैल बरामद किए गए। आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। वहीं दूसरे पिकअप से चालक

नंदलाल गुप्ता उम्र 38 वर्ष, ग्राम पपडेरी, थाना व्यौहारी, जिला शहडोल पकड़ा गया, जिसके वाहन से 4 गाय, 3 बछिया एवं 5 बछड़े यानी कुल 12 नग गौवंश बरामद किए गए। पूछताछ में नंदलाल ने अपने अन्य साथी अयोध्या यादव ग्राम पसगढ़ी, थाना व्यौहारी, जिला शहडोल का नाम भी बताया। पुलिस ने दोनों पिकअप जब्त कर सभी पशुओं को सुरक्षित रूप से ग्राम डोडका गौशाला भेजा। आरोपियों के विरुद्ध थाना मानपुर में प्रकरण दर्ज किया गया है, आरोपी आकाश यादव के विरुद्ध धारा 303(2) भादंवि, पशु क्रूरता अधिनियम एवं एमव्ही एक्ट एक्ट के तहत मामला दर्ज। अपराध क्रमांक 214/25 में आरोपी नंदलाल गुप्ता एवं अयोध्या यादव के विरुद्ध धारा 303(2), 3(5) भादंवि, म.प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम, पशु क्रूरता अधिनियम एवं एमव्ही एक्ट के तहत मामला दर्ज। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध पशु परिवहन, माफिया गतिविधियों एवं आपराधिक घटनाओं पर सख्ती से अंकुश लगाया जाएगा और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

खबर संक्षेप

16 सितंबर को बीएलबीसी की तिमाही बैठक

उमरिया। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक ने बताया कि जिला अग्रणी बैंक स्कीम के अंतर्गत बीएलबीसी की बैठक का आयोजन मानपुर जनपद पंचायत कार्यालय मानपुर सभाकक्ष में 16 सितंबर को सायं 4.30 बजे से आयोजित की गई है। उन्होंने कहा है कि ब्लॉक में कार्यरत सम्बन्धित सभी बैंको के शाखा प्रबंधक एवं विभाग प्रमुख समस्त जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित होना सुनिश्चित करें, जिससे की बैठक सार्थक एवं उद्देश्य पूर्ण हो सके।

शासकीय आईटीआई उमरिया में एक दिवसीय कैंपस संपन्न

उमरिया। प्राचार्य शासकीय आईटीआई उमरिया ने बताया कि हीरो मोटर्स प्राईवेट लिमिटेड हरिव्दार उत्तराखंड ऑटोमोबाइल कंपनी द्वारा कैपस का आयोजन शासकीय आई.टी.आई उमरिया में सुबह 10 बजे से किया गया।कम्पनी द्वारा फिटर,डीजल मैकेनिक, मोटर मैकेनिक,ट्रेक्टर मैकेनिक,वेल्डर,डी एम एम, मशीनिस्ट, ट्रेनर आदि व्यवसाय में उत्तीण 18-26 वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों ने कैंपस में भाग लिए ।कैंपस ड्राइव में कुल 122 छात्रा उपस्थित हुए जिसमे से 64 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया। जिसमें 9 महिलाएं,56 पुरूष शामिल है।

माताएं आज रखेंगी संतान की सुख-समृद्धि के लिए व्रत

हरिभूमि न्यूज कोतमा। संतान सप्तमी का व्रत भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को रखा जाता है। इस दिन संतान प्राप्ति की कामना से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का विधान है। शनिवार को माताएं अपने संतान की सुख समृद्धि के लिए व्रत रखेंगी। संतान सप्तमी व्रत माताएं अपने संतान के सुखी जीवन व लंबी आयु के लिए रखती हैं. पंचांग के अनुसार यह व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को रखा जाता है। संतान सप्तमी का व्रत राधा अष्टमी के एक दिन पहले और जन्माष्टमी के 14 दिन बाद मनाया जाता है। संतान सप्तमी व्रत के एक दिन पहले महिलाएं बाजार पहुंचकर पूजा की सामग्री के साथ ही चांदी के कडे की खरीददारी करने मे जुटी रही।

रेत की चोरी कर परिवहन करने पर बिजुरी पुलिस ने की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के द्वारा अवैध रेत परिवहन पर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर इसरार मन्सूरी एवं एस.डी.ओ.पी. कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन में बिजुरी पुलिस द्वारा 28 अगस्त को ग्राम छतई में घेराबंदी कर एक नीले संफेद रंग के स्वराज ट्रेक्टर क्रमांक 65।4982 से अवैध रेत खनिज उत्खनन कर परिवहन करने पर रेड कार्यवाही करते हुए उक्त ट्रेक्टर ट्राली को जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया तथा आरोपी चालक विजय केवट पिता राममिलन केवट उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम छतई थाना बिजुरी जिला अनूपपुर के विरुद्ध अपराध धारा 303 (2), 317 (5) बीएनएस 4/21 खान खनिज अधिनियम, 130/177 (3) एम.व्ही एक्ट का पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान किया जा रहा है।

मारपीट और झूठे केस में फंसाने की धमकी

एएसआई पर गंभीर आरोपः व्यापारी से मुफ्तखोरी

उमरिया। जिले की कोतवाली पुलिस एक बार फिर सवालों के घेरे में है। कानून व्यवस्था संभालने और जनता को सुरक्षा देने का दायित्व निभाने वाली पुलिस पर ही अब दबंगई और मनमानी का आरोप लगने लगा है। ताजा मामला ग्राम लोढ़ा निवासी सेवा लाल बैगा का है, जिसने सीधे पुलिस अधीक्षक उमरिया को लिखित शिकायत देकर कोतवाली में पदस्थ एएसआई विनोद सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

शिकायत के मुताबिक एएसआई द्वारा न केवल फरियादी की दुकान से महीनों तक सामान मुफ्त में मंगवाया गया, बल्कि विरोध करने पर खुलेआम गाली-गलौज, मारपीट और झूठे मामले में जेल भेजने की धमकी तक दी गई।

बार-बार मुफ्त में सामान मंगवाता था एएसआई

शिकायतकर्ता सेवा लाल बैगा, जो नया बस स्टैण्ड स्थित शराब दुकान के बगल में चाय-नाश्ते और जलपान की छोटी सी दुकान चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है, ने बताया कि एएसआई विनोद सिंह अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भेजकर अक्सर दुकान से चाय-नाश्ता और अन्य सामान मंगवाते थे। लेकिन इनका भुगतान कभी नहीं किया जाता था। कई बार सामान देने के बाद जब सेवा लाल ने पैसे की मांग की, तो एएसआई ने उसे नजरअंदाज कर दिया। स्थिति तब बिगड़ गई जब व्यापारी ने एक दिन और बिना पैसे दिए सामान भेजने से साफ इनकार कर दिया। यही नहीं, उसने फोन पर भी एएसआई से बात करने से मना कर दिया। सेवा लाल का कहना है कि इसी बात पर बौखलाए एएसआई ने अपने रुतबे का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया।

दुकान पर पहुंचकर गाली-गलौज व मारपीट

शिकायत के अनुसार, 28 अगस्त को दोपहर करीब 12:35 बजे एएसआई विनोद सिंह खुद दुकान पर आ धमके। वहां आते ही उन्होंने सेवा लाल को गालियां देना शुरू कर दिया और उस पर हाथ उठा दिया। फरियादी ने आरोप लगाया कि एएसआई ने दबंगई दिखाते हुए कहा - तू ज्यादा बढ़ रहा है, चुकान में बैठाकर शराब पिलाता है। तेरे खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कर दूंगा और जेल भेज दूंगा। जहां शिकायत करना कर दे, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यह पूरा घटनाक्रम पास में मौजूद महेश साहू पिता गयाप्रसाद साहू ने प्रत्यक्ष रूप से देखा और सुना। यानी इस मामले में गवाह भी मौजूद है।

रोजी-रोटी पर संकट

सेवा लाल बैगा ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे गए शिकायती पत्र में कहा है कि वह लंबे समय से उमरिया में रहकर छोटे स्तर पर व्यापार कर रहा है और इसी दुकान से अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। मगर एएसआई की दबंगई और मारपीट की घटना ने उसके परिवार को दहशत में डाल दिया है। फरियादी का कहना है कि यदि पुलिसकर्मी ही संरक्षण देने के बजाय उत्पीडऩ करने लगें, तो आम आदमी कहां न्याय की उम्मीद करेगा।

एसपी से न्याय की गुहार

फरियादी ने पुलिस अधीक्षक से निवेदन किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर एएसआई विनोद सिंह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि आगे कोई अन्य गरीब दुकानदार इस तरह के उत्पीडऩ का शिकार न हो। शिकायत पत्र में उसने साफ कहा है कि अगर इस मामले में त्वरित कार्यवाही नहीं हुई, तो यह समझा जाएगा कि जिला पुलिस विभाग अपने ही कर्मचारियों के दबंग और अवैध कृत्यों को संरक्षण दे रहा है।

सवालों के घेरे में पुलिस की कार्यप्रणाली

यह मामला सिर्फ एक दुकानदार का नहीं है, बल्कि पूरे पुलिस विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। पुलिस का काम जनता की सेवा करना और कानून व्यवस्था बनाए रखना है। मगर यदि एक एएसआई खुलेआम दुकान पर पहुंचकर मारपीट करे, गाली-गलौज करे और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दे, तो यह कानून के राज पर सीधा तमाचा है। कानूनी प्रावधानों के अनुसार किसी भी सरकारी कर्मचारी, विशेषकर पुलिस बल के सदस्य द्वारा इस प्रकार की हरकत भ्रष्टाचार और शक्ति का दुरुपयोग की श्रेणी में आती है। यदि समय रहते इस पर कार्रवाई नहीं की गई, तो इससे न केवल पुलिस विभाग की साख पर बट्टा लगेगा बल्कि आम जनता का विश्वास भी टूटेगा।

आमजन में आक्रोश

इस घटना की चर्चा नगर और आसपास के क्षेत्रों में तेजी से फैल रही है। लोग आपस में यह कहने से नहीं चूक रहे कि ₹यदि पुलिस से ही बचाव की उम्मीद खत्म हो जाएगी तो फिर नागरिक जाएं तो जाएं कहां?₹ कई व्यापारियों का मानना है कि छोटे दुकानदारों और ठेला-रेहड़ी चलाने वालों को अक्सर इसी तरह दबाव में रखा जाता है, जिससे उनका आर्थिक नुकसान होता है।

जिम्मेदारों को देनी होगी सफाई

अब देखना यह है कि पुलिस अधीक्षक इस शिकायत पर कितनी गंभीरता से कदम उठाते हैं। क्या एएसआई विनोद सिंह पर विभागीय जांच बैठाई जाएगी, या मामला कागजों में दबा दिया जाएगा? शिकायतकर्ता का साफ कहना है कि यदि निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई, तो वह उच्च अधिकारियों से लेकर मानवाधिकार आयोग तक गुहार लगाएगा।

पालीटेक्निक कॉलेज उमरिया में कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला संपन्न

सपना खुली आंखों से देखकर उसे पूरा करें: डिप्टी कलेक्टर

उमरिया। अच्छे कैरियर मार्गदर्शन के लिए कौन-कौन से कदम उठाने चाहिए, विभिन्न योग्यताओ वाले विभिन्न क्षमताओं वाले विधार्थियो के लिए कौन-कौन से व्यावसायिक व रोजगार मूलक पाठ्यक्रम इसमें प्रवेश का क्या तरीका है , प्रवेश परीक्षा की तैयारी केसे करें, कि जानकारी देने के उददेश्य से पालीटेक्निक कालेज उमरिया में कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी कलेक्टर हरनीत कौर कलसी ने कहा कि आपका कैरियर विकास एक आजीवन प्रक्रिया है, जिसकी शुरुआत, आपके जन्म के साथ ही शुरू हो जाती है। आपके कैरियर विकास को प्रभावित करने वाले कई कारक हैं, जिनमें आपकी रुचियाँ, योग्यताएँ, मूल्य, व्यक्तित्व, पृष्ठभूमि और परिस्थितियाँ शामिल हैं। कैरियर परामर्श एक ऐसी प्रक्रिया है जो आपको कैरियर, शिक्षा और जीवन से जुड़े फैसले लेने के लिए खुद को और कार्यक्षेत्र को जानने और समझने में मदद करती है।

उन्होने कहा कि सपने खुली आंखो से देखें और अपने सपनों को पूरा करने के लिए जो करना पड़े , वह करें, तभी हम सफलता की कुंजी प्राप्त कर पाएंगे । बिना दबाव, बिना प्रेसर के अपनें अध्यापन का कार्य करें । अपने लक्ष्य को पाने के लिए पूरी ईमानदारी के साथ कार्य करें । उन्होने कहा कि अपने कैरियर के विकल्प तलाशे, सोच-समझकर फैसले लें ।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए सहायक आयुक्त सहकारिता डा पूजा व्दिवेदी ने कहा कि कैरियर परामर्श एक ऐसी प्रक्रिया है जो आपको कैरियर, शिक्षा और जीवन से जुड़े फैसले लेने के लिए खुद को और कार्यक्षेत्र को जानने और समझने में मदद करती है। हमें किस फील्ड में कैरियर बनाना है, उसके लिए आवश्यक है कि पहले लक्ष्य निर्धारित करें। लक्ष्य के आधार पर उस पर विशेष ध्यान दें, तभी हम सफलता को प्राप्त कर सकते है । उन्होने कहा कि कैरियर हर जगह है, मेहन करके उसे हासिल किया जा सकता है । पढ़े हुए अध्याय का नोट्स तैयार करें । पढ़ाई के लिए शेड्यूल बनाएं , तथा उसी के अनुसार अपनी पढ़ाई करें । आप जिस अध्याय को पढ़ रहे है, उसे एक ही दिन में पूरा करें, उसे अधूरा नही छोड़े । इसके साथ ही क्या पढन्ना है, क्या नही पढन्ना है, इस पर भी ध्यान दें । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डा एस बी चौधरी ने कहा

कि आप किस दिशा में जाना चाहते है, उसका चयन स्वयं करें । उन्होने कहा कि यदि एक बार में सफलता प्राप्त नही होती है, तो प्रयास करना नही छोड़े । असफलता से भी हमें कुछ सीखनें को मिलता है, जो हमें अगले प्रयास में काम आता है । अपने आस पास का वातारण साफ सुथरा रखें । मानसिक और भावनात्मक समस्यां महसूस होने पर टेली मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 अथवा 1800-891-4416 पर 24 घंटे कॉल कर निशुल्क परामर्श प्राप्त कर सकते है। जिला चिकित्सालय में उमंग स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर व्यक्तिगत परामर्श सेवाएं प्राप्त कर सकते है। कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया।

कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला में बच्चों व्दारा सवाल किए गए , जिनका जवाब काउंसलरों व्दारा दिए गए । अतिथियों व्दारा अपने अपने अनुभव भी साझा किए गए । कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती मां के तैल चित्र पर दीप प्रज्जवलन करके किया गया । इस अवसर पर प्राचार्य पालीटेक्निक कालेज अतुल वाजपेयी, जिला रोजगार अधिकारी अमन दुबे, सीएमओ चंदिया रोहित कुमार उपाध्याय , गरिमा त्रिपाठी , पवन कुमार कोरी, श्रीकांत पांडेय, अशोक कुमार गर्ग व्याख्याता, बुध्दारम रहंगडाले आरकेएसके समन्वयक, परामर्श दाता सहित बच्चे उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन अषोक गर्ग ने किया।

जैतहरी में हुआ रॉक गार्डन का लोकार्पण

सौंदर्यीकरण के बाद गार्डन बना आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। 28 अगस्त को जैतहरी में स्थित रॉक गार्डन के उन्नयन और सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण गुरुवार को किया गया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन नगर परिषद जैतहरी द्वारा किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नगरवासी शामिल हुए। उन्नयन कार्य के बाद रॉक गार्डन को आधुनिक स्वरूप दिया गया है, जिसमें आकर्षक लाइटिंग, हरियाली, पाथवे, और आरामदायक बैठने की सुविधा जोड़ी गई है। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व विंध्य विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता ने कहा कि जैतहरी नगर के लिए यह एक महत्वपूर्ण पहल है। ऐसे प्रयास न केवल शहर की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि लोगों को स्वच्छ और हरा भरा वातावरण प्रदान करते हैं। नगर परिषद की यह योजना निश्चित रूप से नगर को एक नई पहचान देगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि इस तरह की परियोजनाओं का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना और नगर को आधुनिक स्वरूप देना है। कार्यक्रम में नगर परिषद उपाध्यक्ष रविंद्र राठौर, नाथूराम राठौर, वार्ड 15 की पार्षद सविता राठौर, वार्ड 7 की पार्षद सुनीता जैन, वरिष्ठ नेता सिद्धार्थ सिंह (राजा भैया), कैलाश मरावी (सभापति), अशोक राठौर, शेख अब्दुल जलील, नरेश नापित, दिनेश निषाद, बृजेंद्र रजक, लाल प्रताप राठौर, मनीष गुप्ता, राहुल गुप्ता, भोले राठौर, कृष्णकांत द्विवेदी, ईश्वरदीन राठौर, बाबूराम राठौर, प्रेमानंद द्विवेदी, पोषण लाल राठौर, कौशल प्रसाद नापित, प्रकाश चंद जैन, सेवानिवृत्त शिक्षक भागचंद जैन, पूर्व अध्यक्ष भीखम सिंह राठौर, भारत लाल राठौर, लक्ष्मण राठौर, मनीष गुप्ता, प्रकाश गुप्ता, संतोष अग्रवाल, हरीश देवानी, शिवकुमार अग्रवाल, सहायक यंत्री आर.के. गुप्ता (मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी, जैतहरी), हेमंत मिश्रा (प्रचार प्रभारी), शासकीय बालक स्कूल के शिक्षक चंदन सोनी, जफर खान, राहुल गुप्ता, दिनेश कोल, शालिग्राम साहू सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने कहा हमारा उद्देश्य जैतहरी को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक स्वरूप देना है। रॉक गार्डन का उन्नयन इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। नगर परिषद आगे भी ऐसे प्रयास करती रहेगी, जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं और हरा-भरा वातावरण मिल सके। इस लोकार्पण समारोह को लेकर नगर में उत्साह का माहौल रहा। रॉक गार्डन के नए स्वरूप ने लोगों का ध्यान खींचा और इसे शहर का नया आकर्षण माना जा रहा है।

प्रशासन के आदेश के बावजूद नहीं थम रहा डीजे का शोर

कोतमा। शहर में इन दिनों सभी धर्मों के पर्व उत्साह एवं शांति पूर्वक चल रहे है। दो दिनों पूर्व ही थाना परिसर में जनप्रतिनिधि, व्यापारी, समाजसेवी, धार्मिक संगठन प्रमुख, मीडिया की उपस्थिति में सभी लोगों द्वारा हृदयाघात से पीड़ति रोगी एवं आम जनमानस की परेशानी को देखते हुए कानफोड़ू डीजे तेज ध्वनि से बजने वाले पर नियंत्रण लगाये जाने की मांग की गई थी। सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों को लेकर आये दिन निकलने वाले जुलूस में बजते डीजे की जानलेवा तेज आवाज से समूचा नगरवासी परेशान है। नगर में मनमर्जी से डीजे का साउंड सिस्टम चलाया जा रहा है। ज्यादातर आयोजनों में निर्धारित क्षमता से दुगने, तिगने साउंड सिस्टम से डीजे निकाले जा रहे है। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेश सोनी का कहना है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग किया जाना चाहिए। दिनों दिन तेज डीजे का बढ़ता चलन समाज के लिए नुकसानदायक है। संचालकों को ना बुजुर्ग मरीजों के स्वास्थ्य का ख्याल, ना बच्चों के परीक्षा और ना ही आम नागरिकों की चिंता रहती है। पिछले कुछ माह से हार्ट पेशेंट से पीड़ति लक्ष्मी पांडे का कहना है कि 120 डेसिबल से ज्यादा साउंड सिस्टम हार्ट के मरीजों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है लेकिन किसी को इसकी फिक्र नहीं रहती। उत्साह के साथ खुशी अवश्य मनाए मगर दूसरों को परेशानी ना हो इसका भी ध्यान रखा जाए।

भाजपा नेता एवं व्यापारी अजित जैन ने कहा कि आये दिन निकलने वाले जुलूस के चलते दिन ही नहीं रात में भी ध्वनि प्रदूषण अपने चरम पर पहुंच चुका है। कानफोडू शोर की परेशानी से बच्चों के साथ बुजुर्ग और विभिन्न वर्ग के लोग पीड़ति और परेशान हो रहे हैं। पूरे नगर में चलने वाले मोबाइल डीजे की आवाज धीमी एवं मधुर होनी चाहिए। प्रतिष्ठित व्यापारी एवं ठाकुर बाबा धाम समिति के प्रमुख सुधीर वर्मा का कहना है कि सभी त्योहारों सहित अन्य आयोजनों में ध्वनि यंत्र प्रशासन की अनुमति से ही बजने चाहिए । कानफोडू स्पीड के साथ अश्लील गाने बजने से धार्मिक आस्था भी प्रभावित होने के साथ महिलाएं शर्मसार महसूस करती है। तेज गति से बजने वाले डीजे पर प्रशासन को समझाइश दिया जाना चाहिए।

डॉ किशोर जैन ने बताया कि हार्ट के मरीजों के लिए लगातार तेज आवाज खतरनाक हो सकती है। तेज ध्वनि से चिड़चिड़ापन आता है। ब्लडप्रेशर बढने के साथ तनाव होने लगता है। सुनने की क्षमता में कमी आती है। नींद में गड़बड़ी और अन्य हानिकारक प्रभाव शरीर में पैदा होने लगते हैं। दिल की बीमारी से पीड़ति व्यक्ति के लिए तेज आवाज घातक है। धडकन बढ़ जाती है। नगर में वैवाहिक सीजन व धार्मिक आयोजनों के चलते बड़ी संख्या में डीजे साउंड सिस्टम का उपयोग हो रहा है। इन डीजे से इतना तेज साउंड निकल रहा है कि लोग परेशान हो रहे है। इन पर किसी तरह का अंकुश नहीं है। डीजे गाडियों में तेज आवाज के लिए बड़ी संख्या में एम्पलीफायर के साथ ही बडे बडे बक्से लगाए जा रहे हैं। बड़ी गाडियों में इनकी संख्या 8 से ज्यादा होती है। कई गाडियों में 200 डेसीबल से अधिक साउंड पैदा करने की क्षमता साउंड सिस्टम लगा रखे है। बुधवार को नगर में तेज गति से बज रहे डीजे पर बस स्टैंड के पास पुलिस ने संचालक को समझाइस देते हुए बंद करवाया। कलेक्टर हर्षल पंचोली से नागरिकों एवं अभिभावकों ने गुहार लगाई है कि डीजे साउण्ड पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाते हुए कार्यवाही करवाये जाने की मांग की है। डीजे पर रोक लगाए जाने के बावजूद जिला प्रशासन के आदेश की खुलकर धज्जियां उड़ती नजर आ रही है जुलूस एवं शादी के मौके पर डीजे का जमकर प्रयोग किया जा रहा।

डीजे पर रोक लगाए जाने के बावजूद जिला प्रशासन के आदेश की खुलकर धज्जियां उड़ती नजर आ रही है। जुलूस या शादी के मौके पर डीजे का जमकर प्रयोग किया जा रहा है। अधिकांश शादियों में डीजे का धड़ल्ले से उपयोग करते हुए प्रशासन के आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही है।डीजे पर रोक लगाए जाने के बावजूद जिला प्रशासन के आदेश की खुलकर धज्जियां उड़ती जा रही है।

इनका कहना है

जल्द ही डीजे संचालकों एवं गणेश उत्सव समितियों की बैठक लेते हुए तेज आवाज में डीजे न बजाये जाने की बात की जायेगी। यदि इसके बाद भी उल्लंघन किया गया तो कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

रत्नांबर शुक्ल
थाना प्रभारी कोतमा

मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस पर तीन दिवसीय खेलों का हुआ शुभारंभ

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है: सीईओ

हाकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

उमरिया। म.प्र. शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश से प्राप्त निर्देशानुसार मेजर ध्यानचंद जी के जन्म दिवस व राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेलों का आयोजन सम्पूर्ण म.प्र. में किए जा रहे हैं। अमर शहीद स्टेडियम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभय सिंह के मुख्य आतिथ्य में मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण व श्रद्धांजलि अर्पित कर सभी उपस्थित खिलाड़ियों व पुलिस विभाग के अधिकारियों को शपथ दिलाई गई ,एवं पूर्व वरिष्ठ राष्ट्रीय खिलाड़ी व वर्तमान खिलाडी मिथलेश सोंधिया, अनुराग यादव, सोनम सोंधिया को सम्मानित कर खेलो इंडिया स्माल सेंटर के चयनित बालक / बालिका खिलाड़ियों को खेल सामग्री (हाकी, गेंद) वितरण के पश्चात ध्यानचंद एकादश व रूप सिंह एकादश के मध्य हाकी मैच व मिल्खा सिंह एकादश विरूद्ध अमित रोहीदास एकादश के मध्य हैण्डबाल मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि हर वर्ग का व्यक्ति खेल से जुड़े जिससे उसका स्वास्थ्य उत्तम हो,स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।खिलाड़ी अच्छा खेल अभ्यास करें जिससे वह राज्य स्तर व राष्ट्रीय स्तर पर अपने माता पिता व अपने नगर एवं जिले का नाम रोशन करें।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी सीताराम ने खिलाड़ियों को बताया कि ध्यानचंद जी का नाम ध्यान सिंह था परंतु वह तब तक हाकी का अभ्यास करते थे जब तक चांद न निकल आए इस वजह से उन्हें चांद की उपाधि देकर ध्यानचंद कहा जाने लगा और वह हाकी के जादूगर के रूप में विश्व विख्यात हुए।खिलाड़ियों को जो खेल सामग्री दी गई है इससे खूब अभ्यास करें। खेल विभाग हर खिलाड़ी का सहयोग करेगा उत्तम खेल सुविधा देने का हर संभव प्रयास करेगे जिससे जिले का व प्रदेश का नाम विश्व पटल पर अंकित हो। एस.डी.ओ.पी पुलिस नागेन्द्र सिंह ने कहा कि जिस प्रकार से मेजर ध्यानचंद जी अपनी हाकी कला से सम्पूर्ण विश्व में प्रख्यात हुए जिनकी हाकी को विरोधी टीमों द्वारा बार-बार परीक्षण किया जाता था कि इसमें कोई चुंबक तो नहीं है जो गेंद ध्यानचंद जी से छूटती ही नहीं है। उन्होने बताया कि किस प्रकार भारत लगातार सात ओलपिंक खेलों में विजेता रहा है अगर खिलाड़ी निरंतर अभ्यास करेगा तो निश्चित ही वह अपने जिले व प्रदेश का नाम रोशन करेगा। खेल दिवस पर स्कूल शिक्षा विभाग से जिला क्रीड़ा अधिकारी शेख सलीम,के.वी. विनीत,पुलिस विभाग से थाना प्रभारी कोतवाली मदन मरावी, यातायात प्रभारी सी. के तिवारी व पुलिस स्टॉफ तथा व्यायाम निर्देशक अतुल रजक,राहुल बर्मन,शिव प्रताप पाल,सोमेश सिंह,आकाश बर्मन,दुर्गेश साहू, खेल और युवा कल्याण विभाग से प्रशिक्षक संजय सिंह,प्रवीण पसेरिया आदि उपस्थित रहे। 30 अगस्त को उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय में खेल दिवस विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता / दोपहर 12 बजे आयोजित कि गई है। तथा 31 अगस्त को नगरपालिका स्टेडियम से साईकल रैली का आयोजन किया जाना है।

खबर संक्षेप

13 दुकानदारों से 2600 रुपये का वसूला जुर्माना

कटनी। निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देश पर निगम प्रशासन के अतिक्रमण अमले द्वारा सार्वजनिक स्थलों एवं मार्गो में अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वालों पर जुर्माने की कार्यवाही की जाकर नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्रदान करने के प्रयास निरंतर जारी है। इसी क्रम में निगम के अतिक्रमण प्रभारी मानेन्द्र सिंह की उपस्थिति में गुरुवार को नगर निगम के नदीपार स्थित दीनदयाल बस स्टेंड परिसर में अतिक्रमण अभियान चलाया गया। इस दौरान यात्री प्लेटफार्म में अतिक्रमण कर दुकानों का व्यवसाय कर गंदगी एवं अव्यवस्था फैलानें पर 13 दुकानदारों पर 2600 रूपये की चालानी कार्यवाही की जाकर यात्री प्लेटफार्म को खाली कराते हुए पुनः अतिक्रमण करनें पर सामग्री जब्त करनें की कार्यवही करनें की हिदायत दी गई।

आत्मानुभूति का महापर्व है दशलक्षण पर्युषण पर्व

कटनी। दि.जैन समाज पंचायत महासभा के तत्वाधान में पयूर्षण पर्व के प्रथम दिवस जैन बोर्डिंग हाउस में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुये पदम सागर महाराज ने कहा कि आत्मानुभूति का महापर्व है दशलक्षण पर्यूषण पर्व हम इसे अनादिकाल से परंपरा अनुसार मनाते आ रहे है और आगे भी मनाते रहेंगे। क्यों कि इसका संबंध आत्मा और उसकी विशुद्धी से है। इसलिये इसे जैन धर्म के अनुयायियों द्वारा विशेष रूप से मनाया जाता है।

जनप्रतिनिधियों की मांग को किया जा रहा है नजरअंदाज – हंसराज तनवर

शराब दुकान को हटाने की मांग स्थानीयजनों द्वारा कई सालों से की जा रही है पर प्रशासन नहीं कर रहा कार्रवाई

धनपुरी। नगर पालिका परिषद धनपुरी के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ सदस्य हंसराज तनवर ने शहडोल कलेक्टर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों की बातों को दरकिनार कर केवल एकतरफा कार्यवाही की है, जो जनहित में न्यायसंगत नहीं है।

तनवर ने बताया कि धनपुरी वार्ड क्रमांक 17 व 04 के बीच स्थित शहीद विजय सिंह की प्रतिमा के सामने लगभग 18 फीट की दूरी पर शराब दुकान संचालित है। इस दुकान को हटाने की मांग स्थानीय लोगों द्वारा कई सालों से की जा रही है। यहाँ आए दिन विवाद और झगड़े होते रहते हैं,

जिससे वातावरण बिगड़ता है। इस मामले में स्वयं स्थानीय विधायक जिन सिंह मरावी सहित कई नेताओं ने दुकान हटाने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा था, लेकिन अब तक उचित कार्यवाही नहीं की गई। पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कलेक्टर ने

जनप्रतिनिधियों की मांगों और शिकायतों को नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने बताया कि स्वयं भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चतुर्वेदी ने भी कई बार ज्ञापन दिए, किंतु कलेक्टर ने सभी पत्रों को नजरअंदाज कर ठंडे बस्ते में डाल दिया। इसके बाद कलेक्टर ने मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव की उपस्थिति में हुए भोजपुरी कॉल सम्मेलन (09 जून 2025) में भी नेताओं की शिकायतों को लेकर कोई संज्ञान नहीं लिया। तनवर ने यह भी आरोप लगाया कि कलेक्टर और पुलिस अधिकारियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। जब वे मंच पर अपनी शिकायत लेकर पहुंचे तो उन्हें धक्का देकर नीचे उतार दिया गया और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजने की धमकी तक दी। इस घटना को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री से शिकायत करने की बात कही। हंसराज तनवर ने स्पष्ट कहा कि कलेक्टर की कार्यशैली भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के सम्मान के विपरीत है। यदि ऐसे अफसर जिले में बने रहेंगे तो समस्याओं का निराकरण संभव नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि तत्काल शहडोल कलेक्टर का स्थानांतरण किया जाए और जिले में जनप्रतिनिधियों की बातों को महत्व देने वाला अधिकारी नियुक्त किया जाए।

तनवर ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं और जनता की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संगठन की मजबूती और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक है कि ऐसे अफसरों को तुरंत हटाकर उनके स्थान पर जिम्मेदार और संवेदनशील अधिकारी की नियुक्ति की जाए।

गणेशोत्सव पर्व पर भक्ति आराधना में लीन रहेंगे श्रद्धालु

ब्योहारी। भगवान गणेश जी का हुआ अगवनम ब्योहारी के सरस्वती मोहल्ला सहित नगर परिषद घर - घर हर वार्ड के मोहल्ला में साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी भगवान गणेश जी विराजमान हैं जहां पूरे नगर गणपति बप्पा मोरया के भक्ति गीत उत्साह का माहोल हैं। ब्योहारी में गणेश उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है नगर के सरस्वती मोहल्ला सहित नगर परिषद क्षेत्र हर वार्ड के मोहल्ला व घर घर सहित ग्रामीण अंचलों में गणेश उत्सव का माहोल हैं मना जाता है

कि किसी पूजा करने से पहले गणेश जी कि होती है इसी उत्साह से लोगों में गणेश जी विराजमान कर दस तक लोगों के द्वारा बड़े धूमधाम से विधि-विधान पूर्वक मनाया जाता हैं और लोगों के द्वारा भक्ति गीत संगीत मंडली के द्वारा गीत व गणेश जी कि आरती व भगवान गणेश जी कि पाठ किया जा रहा है भगवान गणेश जी कि सुबह शाम पूजा व आरती की जाती है साथ भगवान गणेश जी के हर मोहल्ला की समिति व पंन्डाल देवी जागरण व भगवान गणेश जी के पाठ किया जाता है और लोगों के द्वारा गणपति बप्पा मोरया के गीत गाते हुए रात्रि जागरण करते हैं

बकहो में करंट से दर्दनाक हादसा : जैन मंदिर में झंडा लगाते समय महिला की मौत

अमलाई। जिले के बकहो वार्ड क्रमांक-03 में गुरुवार की देर शाम को जैन मंदिर में झंडा लगाने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। बता दे कि मंदिर में पर्युषण पर्व का कार्यक्रम चल रहा था उसी समय झंडा लगाने के दौरान हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से ओपीएम कॉलोनी निवासी ममता जैन पति संजीव जैन की मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंदिर में झंडा वंदन का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान ममता जैन को झंडा लगाने के दौरान करीब आठ फीट लंबे झंडे का डंडा पास से गुजर रही 11 केवी हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गया। करंट लगते ही ममता जैन बुरी तरह झुलस गईं और मौके पर ही गिर पड़ीं। उन्हें तत्काल गंभीर हालत में सेंट्रल हॉस्पिटल धनपुरी ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे में उन्हें बचाने के प्रयास में स्वाति जैन को भी करंट का झटका लगा, हालांकि उनकी जान बाल-बाल बच गई। मंदिर में हुए इस हादसे से वातावरण मातम में बदल गया। घटना की खबर मिलते ही क्षेत्रीय लोग और जैन समाज के सदस्य अस्पताल पहुंच गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मौके पर पहुंच कर पुलिस द्वारा पंचनामा तैयार कर आगे की कार्यवाही की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईटेंशन लाइन मंदिर के बेहद पास से गुजर रही है, जिससे हमेशा खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में ऐसे हादसे न हों, इसके लिए बिजली लाइन को सुरक्षित ढंग से व्यवस्थित किया जाए।

सोन नदी में फंसे ग्रामीण, विधायक और कलेक्टर पहुंचे स्थल

एनडीआरएफ ने किया सफल रेस्क्यू

शहडोल। बरसात के मौसम में जोखिम भरा कदम उठाकर सोन नदी में मछली पकडऩे गए कुछ ग्रामीण रविवार देर रात बीच नदी में बने टापू पर फंस गए। सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और तत्काल विधायक ब्यौहारी शरद कोल एवं कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू करते हुए एनडीआरएफ की टीम ने मोर्चा संभाला और नदी के टापू में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया। ग्रामीणों को सकुशल बाहर लाने के बाद क्षेत्र में राहत की सांस ली गई। विधायक शरद कोल और कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मौके पर उपस्थित ग्रामवासियों से अपील करते हुए कहा कि बरसात के मौसम में लापरवाही न बरतें और नदी-नालों या जलभराव वाले क्षेत्रों के नजदीक न जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का सभी को सख्ती से पालन करना चाहिए ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। इस मौके पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेंद्र सिंह धुर्वे सहित राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

नपा बरगवां-अमलाई में बिजली लाइन का नवीनीकरण

रेल पोल और प्लास्टिक कोटेड तार लगने से सैकड़ों घरों में सुरक्षित बिजली आपूर्ति

अमलाई। नगर परिषद बरगवां-अमलाई के वार्ड क्रमांक 1, 2, 3 और 4 में पुराने खुले तार और जर्जर खंभों के कारण लंबे समय से लोग असुरक्षित बिजली व्यवस्था से जूझ रहे थे। अब बिजली लाइन के नवीनीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। इसमें नए रेल पोल और प्लास्टिक कोटेड (एरियल बंच) तार लगाए जा रहे हैं, जिससे सैकड़ों घरों में सुरक्षित और निर्बाध बिजली आपूर्ति हो सकेगी।कार्य के तहत वार्ड क्रमांक 2 में A-1 टाइप कॉलोनी से धोबी

तालाब तक और वार्ड क्रमांक 3 में सोमनाथ महरा के घर से आयरा गार्डन तक लाइन बदली जा रही है। इसके लिए लगभग 35 नए रेल पोल खड़े किए गए हैं। नगर परिषद अध्यक्ष गीता गुप्ता ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि हर परिवार को सुरक्षित बिजली सुविधा मिले। पुराने खुले तार दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा रहे थे। अब नई तकनीक से न सिर्फ हर घर को बिजली आसानी से मिलेगी बल्कि बच्चों की पढ़ाई और घरेलू कामकाज भी प्रभावित नहीं होंगे।" स्थानीय निवासियों ने भी इस कदम का स्वागत किया और कहा कि लंबे समय से वे सुरक्षित बिजली आपूर्ति की मांग कर रहे थे। नगर परिषद प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि नवीनीकरण कार्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा और हर घर को बेहतर बिजली कनेक्शन उपलब्ध होगा।

गणेश चतुर्थी पर मिली डेकोरेटिव लाइट की बड़ी सौगात

गणेश चौक से व्हीआईपी मार्ग की सड़कों पर चमक बिखेर रहीं डेकोरेटिव लाइट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद

गणेश चतुर्दशी के पावन अवसर पर गणेश चौक में विराजित भगवान श्री गणेश के दर्शन हेतु आने- जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा एवं समुचित प्रकाश व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी द्वारा बुधवार शाम गणेश चौक से व्हीआईपी मार्ग में नव स्थापित स्मार्ट डेकोरेटिव पोल का बुधवार को अनावरण किया जाकर श्रद्धालुओं को सौंपा गया।

अनावरण कार्यक्रम के दौरान जैसे ही महापौर श्रीमती सूरी एवं क्षेत्रीय पार्षद मौसूफ बिट्टू द्वारा स्विच दबाकर पोल की लाइट चालू की गई गणेश चौक से व्हीआईपी मार्ग तक की पूरी सड़कें स्मार्ट डेकोरेटिव लाइट की चमक से जगमगाने लगीं।

अनावरण पश्चात महापौर श्रीमती सूरी एवं पार्षद मौसूफ अहमद बिट्टू द्वारा नगर निगम के माध्यम से लगाए गए डेकोरेटिव पोलो का निरीक्षण स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं की मौजूदगी में करते हुए कहा कि नगर के प्रमुख मार्गों को और अधिक सुंदर बनाने के लिए बी डी अग्रवाल वार्ड एवं गुरुनानक वार्ड के मुख्य मार्गों में स्मार्ट डेकोरेटिव लाइट पोल लगाए जा रहे हैं। नगर की सुंदरता को बढ़ावा देने हेतु आगे भी शहर के अन्य मुख्य मार्गों और चौराहों पर भी स्मार्ट डेकोरेटिव पोल लगाए जानें की कार्यवाही की जायेगी।

इस दौरान श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों ने नगर विकास और सुंदरता हेतु महापौर एवं क्षेत्रीय पार्षद के नवाचार पर कराए जा रहे स्मार्ट डेकोरेटिव पोल के कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा की जाकर स्मार्ट डेकोरेटिव स्ट्रीट लाइट की सौगात प्रदान करने पर महापौर प्रीति संजीव सूरी एवं क्षेत्रीय पार्षद मौसूफ अहमद बिट्टू को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इसके पूर्व अनावरण कार्यक्रम में पहुंची महापौर श्रीमती सूरी एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा गणेश चौक में विराजित भगवान श्री गणेश के दर्शन लाभ प्राप्त कर नगर वासियों के सुख समृद्धि की कामना की गई।इस दौरान सुभाष साहू, पार्षद वंदना यादव, भावेश अग्रवाल, नरेन्द्र सिंह सहित निगम के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

खाद वितरण में लापरवाही और कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई

टिहकी और जैतपुर समितियों के प्रबंधक निलंबित

शहडोल। जिले में किसानों को यूरिया खाद वितरण में लापरवाही और कालाबाजारी के मामलों पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सख्त रुख अपनाते हुए दो समिति प्रबंधकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई आदिम जाति सेवा सहकारिता समितियों के निरीक्षण और प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के बाद की गई है। निलंबन अवधि में दोनों प्रबंधकों का मुख्यालय केंद्रीय सहकारी बैंक मर्यादित जिला शहडोल नियत किया गया है तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

टिहकी समिति का मामला

ग्राम टिहकी स्थित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित के प्रबंधक राजेश अवस्थी पर आरोप है कि उन्होंने विकासखंड जयसिंहनगर में सोसायटी के यूरिया वितरण में गंभीर अनियमितताएं बरतीं। जांच में पाया गया कि उन्होंने बिना पंजीकृत किसानों को 251 बोरी यूरिया खाद वितरित किया। वितरण के लिए अनिवार्य पी.ओ.एस. मशीन का उपयोग नहीं किया गया। भौतिक निरीक्षण में गोदाम का स्टॉक शून्य पाया गया, जबकि पी.ओ.एस. मशीन में 14.58 टन स्टॉक प्रदर्शित हो रहा था। इतना ही नहीं, 13 बोरी यूरिया का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। इससे स्पष्ट हुआ कि समिति को उपलब्ध कराया गया यूरिया किसानों को देने के बजाय ब्लैक में बेचा गया, जिसके चलते वास्तविक किसान वंचित रह गए।

जैतपुर समिति का मामला

इसी प्रकार, आदिम जाति सेवा सहकारिता समिति जैतपुर के प्रबंधक यमुना प्रसाद मिश्रा पर भी यूरिया खाद की कालाबाजारी का आरोप साबित हुआ है। लैम्प्स समिति जैतपुर और खाद गोदाम खोडरी के निरीक्षण में पाया गया कि उन्होंने बिना पंजीकृत किसानों को 346 बोरी यूरिया वितरित कर दिया। स्टॉक रजिस्टर में 19 अगस्त 2025 को 600 बोरी यूरिया दर्ज थी, जबकि 21 अगस्त को मात्र 270 बोरी शेष बताई गई। समिति प्रबंधक ने दावा किया कि शेष यूरिया उचित मूल्य दुकान खोडरी में रखा गया है, लेकिन जांच में वहां केवल 254 बोरी ही पाई गई। यानी कुल 600 बोरी में से 346 बोरी यूरिया किसानों तक पहुंचने के बजाय ब्लैक में खपाई गई।

कलेक्टर का सख्त रुख

दोनों मामलों में जांच रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने तत्काल निलंबन के आदेश दिए हैं। आदेश में साफ कहा गया है कि समिति प्रबंधकों द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और किसानों को मिलने वाला सब्सिडी वाला खाद बाजार में बेचा गया। इस कारण किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पाया और उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

किसानों के हित में कदम

कलेक्टर की इस कार्रवाई से यह संदेश गया है कि किसानों के हक पर डाका डालने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। खाद वितरण में अनियमितता और कालाबाजारी जैसे मामलों पर जिला प्रशासन की नजर लगातार बनी हुई है और भविष्य में ऐसी शिकायत मिलने पर भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नेशनल लोक अदालत 13 सितंबर को

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उमरियापान

नालसा एवं मध्य प्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के निर्देशानुसार शनिवार 13 सितंबर 2025 को नगर में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के दौरान नगर निगम के करदाताओं को संपत्ति कर, जल प्रभार तथा अन्य उपभोक्ता प्रभार के सरचार्ज में छूट प्रदान की जाना है। नेशनल लोक अदालत का अधिक से अधिक करदाताओं को लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, निगमाध्यक्ष मनीष पाठक और निगमायुक्त श्री नीलेश दुबे के निर्देश पर नगर निगम द्वारा नगर के विभिन्न पांच स्थलों में नेशनल लोक अदालत शिविरों का आयोजन किया जाकर अधिक से अधिक करदाताओं को शासन द्वारा प्रदत्त छूट से लाभान्वित करने के प्रयास किए जाएंगे।

राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक ने बताया कि शासन निर्देशानुसार संपत्ति कर के ऐसे मामले जिनमें कर और अधिभार की राशि 50 हजार रुपए तक बकाया है उस पर मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। इसी तरह संपत्ति कर के ऐसे प्रकरण जिनमे कर और अधिभार की राशि 50 हजार रुपये से अधिक और 01 लाख रुपये तक बकाया है, ऐसे मामलों में मात्र अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। इसके साथ ही संपत्ति कर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर और अधिभार की राशि 01 लाख रुपए से अधिक बकाया है पर मात्र अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी।

जल प्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभार के ऐसे मामले जिनमें जल प्रभार और अन्य उपभोक्ता प्रभार तथा अधिभार की राशि 10,000 तक बकाया है पर मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। जल प्रभार और अन्य उपभोक्ता प्रभार के ऐसे मामले जिनमें जल प्रभार और अन्य उपभोक्ता प्रभार तथा अधिभार की राशि 10000 रुपये से अधिक तथा 50000 रुपये तक बकाया है ऐसे मामलों में केवल अधिभार में 75 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। इसी तरह जल प्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभार के ऐसे प्रकरण जिनमें जल प्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभार तथा अधिभार की राशि 50,000 से अधिक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह छूट मात्र एक बार ही दी जाएगी। आगामी 13 सितंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के लिए यह छूट वित्तीय वर्ष 2024-25 तक की बकाया राशि पर देय होगी।

पंडालों एवं घरों में पंचम महायोग के संयोग पर श्रीगणेश की स्थापना

गणेशोत्सव पर्व पर दस दिनों तक गणपति की भक्ति आराधना में लीन रहेंगे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद

एकदंत,विनायक, दुखहर्ता ,प्रथम पूज्य देव भगवान गणेश का दस दिवसीय गणेशोत्सव का पावन पर्व बुधवार गणेश चतुर्थी से शुरू हो गया जो दस दिनों चलेगा। दस दिनों तक प्रथम पूज्य देव गजानन की भक्ति आराधना मैं लोग लीन रहेंगे। बुधवार को घर-घर व पंडालों मैं भगवान गणेश विराजित हुए।

प्रतिमाएं ले जाने चला क्रम

सुबह से लेकर देर शाम तक गणेश प्रतिमाओं की स्थापना का दौर चलता रहा। लोग गाजे बाजे के साथ गणेश प्रतिमाओं को मूर्तिकारो के यहां से लेकर प्रतिमा स्थापना स्थल तक ले गए। गणेश प्रतिमाओ को दो पहिया ओर चार पहिया वाहनों मै लें जाने का

क्रम देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान जय गणेश,गणपति बप्पा मोरिया की जयघोष गुंजायमान हो रही थी। दस दिवसीय गणेशोत्सव पर्व को लेकर विभिन्न पांडालों व गणेश मंदिरों पर आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है। बुधवार को स्लीमनाबाद तहसील मुख्यालय के बाजार में प्रतिमा व पूजन सामग्री की खरीददारी के लिए भीड़ लगी रही। तहसील के प्रमुख चौराहों व अन्य जगहों पर आयोजन समितियों द्वारा आकर्षक प्रतिमाएं स्थापित की गई है। पांडालों में प्रतिदिन धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

पंडित दिलीप पौराणिक ने बताया कि इस बार गणेश स्थापना पर बुधवार का संयोग रहा है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि दिन बुधवार को विघ्नकर्ता गणेश जी का प्राकटय हुआ था। इस योग में गणपति के विघ्नेश्वर रूप की पूजा करने से इच्छित फल मिलता है।गणेश चतुर्थी पर इस बार पंचम महायोग का संयोग रहा जिसमें सर्वार्थ सिद्दि योग, रवि योग, प्रीति योग, इंद्र योग ओर ब्रह्मा योग शामिल रहे। प्रथम पूज्य देव गणेश का जन्म भादो मास की चतुर्थी के दिन दूसरे प्रहर मैं हुआ था।

अमरकंटक के जंगल में मिला तेंदुए का शव

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कारण होगा स्पष्ट

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। राजेंद्रग्राम उपवन मंडल के अमरकंटक वन परिक्षेत्र अंतर्गत फर्रीसेमर के जंगल में वन विभाग की टीम को एक मृत तेंदुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही विभागीय अमला मौके पर पहुँचा और शव को कब्जे में लिया। ज्ञात हो कि वन परिक्षेत्र के बीट गार्ड हरीलाल प्रजापति नियमित गश्त पर थे, तभी उन्हें तेंदुआ मृत अवस्था में दिखाई दिया। इसकी सूचना उन्होंने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही उपवनमंडल अधिकारी एवं वनमंडल अधिकारी अनूपपुर को जानकारी दी गई और वन अमला मौके पर पहुँच गया। विभाग द्वारा तेंदुए की मृत्यु के कारणों की जांच की जा रही है। तेंदुए का पोस्टमार्टम बांधवगढ़ रिज़र्व से आए वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. की टीम द्वारा किया जा रहा है। हालांकि, विभाग ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि तेंदुए की मौत किन परिस्थितियों में और किस कारण से हुई। विभाग का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण सामने आएगा। अमरकंटक क्षेत्र में हाल के दिनों में लगातार वन्यजीवों की मौजूदगी देखी जा रही है और अब इस तरह मृत अवस्था में तेंदुआ मिलने से स्थानीय लोगों में भय और आशंका का माहौल व्याप्त है।

जिले में 1 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 1 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अमरकंटक में 8.2 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी, जैतहरी, पुष्पराजगढ़, वेंकटनगर तथा बेनीबारी में निरंक वर्षा दर्ज की गई।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल की परीक्षाओं के लिए प्रस्तावित परीक्षा केन्द्रों की सूची जारी

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय अनूपपुर द्वारा माध्यमिक शिक्षा मण्डल की परीक्षाओं हेतु 59 प्रस्तावित परीक्षा केन्द्रों की सूची जारी कर दी गई है। यदि पालक, शिक्षक, विद्यार्थियों तथा अन्य नागरिकों को परीक्षा केन्द्रों के संबंध में कोई आपत्ति या अन्य सुझाव दिया जाना हो तो वह अपना सुझाव या आपत्ति जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय अनूपपुर में 4 सितम्बर तक कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

गिट्टी का अवैध परिवहन करने पर वाहन जप्त

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर। निरी. वीरेन्द्र वरकडे थाना प्रभारी थाना करनपठार के मार्ग दर्शन में चौकी प्रभारी सरई उप निरी. मंगल दुबे, आर. नीरज गुप्ता, विनोद कुमार के द्वारा डग्गी क्रमांक एमपी 29 जेडडी 5938 के विरूद्ध अवैध गिट्टी परिवहन करते पकडे जाने पर वैद्य दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर चालक आशीष कुमार यादव पिता भगवान दास यादव उम्र 34 वर्ष निवासी हर्री थाना सोहागपुर जिला शहडोल के खनिज गिट्टी परिवहन करते पाये जाने पर थाना करनपठार पुलिस द्वारा उक्त डग्गी को जप्त कर धारा 4/21 खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है।

केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप निराकरण की रखी मांग

विभिन्न ज्वलंत लंबित मांगों को लेकर महासंघ ने भरी हुंकार

केन्द्र व प्रदेश स्तरीय समस्याओं का अविलंब चाह रहे निदान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध मध्य प्रदेश बिजली कर्मचारी महासंघ व मध्य प्रदेश विद्युत उत्पादन कर्मचारी संघ ने शुक्रवार को केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर व प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम अनूपपुर कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपर कलेक्टर दिलीप पाण्डेय को ज्ञापन सौंपा। महासंघ ने पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंप कर बताया कि भारतीय मजदूर संघ और अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ द्वारा घोषित आंदोलन ज्ञापन के समर्थन में 29 अगस्त को सभी जिला मुख्यालयों पर आयोजित राष्ट्रव्यापी शांतिपूर्ण आंदोलन कार्यक्रम के तहत मांगे सरकार की ओर विचार एवं कार्यवाही के लिए दिया गया है।

महासंघ की यह है राष्ट्रीय मांगे

संघ ने केन्द्र स्तर मांग रखी है कि पुरानी पेंशन योजना को पुनः लागू किया जाना चाहिए। भारत सरकार को बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए एक राष्ट्र एक ग्रिड एक सेवा नियम लागू करना चाहिए। विद्युत उत्पादन, पारेषण और वितरण क्षेत्रों के लिए एक नई त्रिपक्षीय औद्योगिक समिति का गठन और संचालन किया जाना चाहिए ताकि विद्युत अधिनियम, 20003 की धारा 133 के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। केंद्र सरकार को विद्युत उत्पादन, पारेषण और वितरण के निजीकरण को रोकने और उसे युक्तिसंगत बनाने के लिए कदम उठाने चाहिए। ठेका, आउटसोर्सिंग और फ्रेंचाइजिंग प्रथाओं को रोका जाना चाहिए इन श्रेणियों के कर्मचारियों को सुरक्षात्मक कानून, सामाजिक सुरक्षा गारंटी और समान कार्य के लिए समान वेतन प्रदान किया जाना चाहिए। विद्युत अधिनियम 2003 और विद्युत संशोधन विधेयक 202.3 पर तब तक पुनर्विचार किया जाना चाहिए जब तक कि सरकारी स्वामित्व वाली डिस्कॉम के लिए प्रतिस्पर्धी माहौल सुनिश्चित न हो जाए।

प्रदेश स्तरीय मांगों पर कराया ध्यानाकर्षण

संघ ने प्रदेश स्तर की मांगो मे बताया कि विद्युत विभाग के संविदा कर्मियों को नियमित किया जावे। विभाग में जो पद विज्ञापित हुये है या होने वाले है, उनके विज्ञापन में संविदाकर्मियों के बारे में किसी प्रकार की रियायत का अनुच्छेद नहीं है जबकि आपके द्वारा विज्ञापित पदों में ही अन्य विभागों से अनुभव प्राप्त कार्मिको को विज्ञापन में अर्हता बनाया गया है, तो बिजली कम्पनी में ती कार्यरत संविदाकर्मियों को आरक्षण क्यों नहीं? संविदा कर्मियों को नियमित किया जावे। विद्युत कम्पनियों की नई नियुक्ति में, विद्युत कम्पनियों के सेवा प्रदाता द्वारा नियोजित बाह्य स्त्रोत कर्मियों को विज्ञापन में कोई आरक्षण या बोनस अंक प्रदान नहीं किये गये हैं नाहि कोई रियायत की गई है। विभाग के विज्ञापन में अनुभव को भी योग्यता मानते हुये पद विज्ञापित हुये है तो बाह्यस्त्रोत कर्मियों का अनुभव तो इसी विभाग से है। इन्हें नियुक्ति में वरीयता दी जावे या विभागीय परीक्षा के द्वारा इन्हें नियमित किया जावे। विद्युत कंपनी के परीक्षण सहायक, सयंत्र सहायक की वेतन विसंगति में सुधार किया जावे। विद्युत कंपनी के परीक्षण सहायक संयंत्र सहायक को कनिष्ठ यंत्री का कार्य सौंपा जावे। अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों में विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग विधान बनाये गये है, उन्हें एक समान किया जावे। पूर्वक्षेत्र कंपनी में संविदा नियुक्ति दी गयी है तथा शर्त भी है कि रिक्त स्थान होने पर नियमित किया जावेगा, परन्तु यदि रिक्त पदों पर प्रत्यक्ष भर्ती होगी ता अनुकम्पा नियुक्ति वाले हमेशा संविदा में ही रहेंगे। मप्र विद्युत मंडल के समय की विद्युत सहकारी समिति सीधी, नौगाव, लौड़ी, बंदा के कर्मचारी, वर्तमान में विद्युत कंपनियो में कार्यरत हैं परन्तु उन्हें आज भी विद्युत सहकारी समितियों का लाभ दिया जा रहा है, उन्हें संविलियन किया जावे।

बीएमएस ने इन समस्याओं पर चाहा निदान

म.प्र. विद्युत उत्पादन कर्मचारी संघ (बीएमएस) ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुये मांग की कि मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कं.लि.में 2009 से 2018 तक नियुक्त हुये नियमित कर्मचारियों को तीन वेतन वृद्धि देकर वेतन विसंगति को दूर किया जाये। विभागीय अनुमती प्राप्त कर उच्च शिक्षा (पार्ट टाईम डिप्लोमा) उत्तीर्ण कर लेने वाले कर्मचारियों को पूर्व के वर्ष 2003 की भांति कनिष्ठ अभियंता के पद पर पदस्थ किया जाये। आउटसोर्स ठेके पर कार्यरत कर्मचारियों को जो कि 5 वर्ष से अधिक समय से कार्य कर रहे हैं, उनका कंपनी में संविलियन किया जाये, जिससे उनका भी रोजगार सुरक्षित होगा। वर्तमान में कार्यरत श्रमिकों को बिना पूर्व सूचना के, अकारण फर्म/ठेकेदार द्वारा कार्य से निकाल दिया जाता है, जिससे इस आयु में श्रमिक के समक्ष रोजगार का संकट उत्तपन्न हो जाता हैं. अतः नियमित कर्मचारियों की तरह इनके भी कार्य की उम्र 60 वर्ष निर्धारित की जाये। न्यूनतम वेतन अधिनियम 1947 के अंतर्गत बढे हुए मजदूरी का अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक का एरियर का भुगतान कराया जाये साथ ही सामाजिक सुरक्षा, ईएसआई लागू की जाये।

यह रहे उपस्थित

कलेक्ट्रेट मे ज्ञापन सौंपने के दौरान संघ के सत्येंद्र पाटकर, जेपीएन शर्मा, जुगल किशोर मौर्य, बृजेश तिवारी, बृजेश द्विवेदी, दुर्गेश तिवारी, सुमित बक्सरिया, सुनील चौरसिया, संदीप द्विवेदी, प्रदीप पटेल, अशोक विश्वकर्मा, विपुल श्रीवास्तव, सीताराम मिश्रा, तेजवली दहायत, रामकृष्ण रौतेल, विवेक पटेल, नर्मदा पटेल, देवव्रत पटले, नितेश मेश्राम, राजकुमार ढीमर, संतलाल, सावन कुमार, दीपक पटेल समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

संकल्प महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया बंगवार अंडर ग्राउंड माइंस का औद्योगिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। संकल्प महाविद्यालय के बीबीए एवं बी.एससी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत बंगवार अंडरग्राउंड माइंस का सफल औद्योगिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक अनुभव उपलब्ध कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने भूमिगत खनन प्रक्रिया, खदानों की कार्यप्रणाली, मशीनों के संचालन तथा सुरक्षा उपायों की जानकारी प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त की। एसईसीएल के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को विस्तार से बताया कि किस प्रकार कोयला उत्पादन देश की ऊर्जा आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और खनन कार्य में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। विद्यार्थियों ने उद्योग के वास्तविक वातावरण को नजदीक से समझते हुए यह अनुभव किया कि प्रबंधन, तकनीकी ज्ञान और सुरक्षा उपाय किसी भी उद्योग की सफलता के लिए कितने आवश्यक हैं। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा बल्कि उनके आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास में भी सहायक सिद्ध हुआ। महाविद्यालय प्रबंधन ने बताया कि संकल्प महाविद्यालय का उद्देश्य हमेशा से विद्यार्थियों को कक्षा की शिक्षा के साथ वास्तविक औद्योगिक अनुभव प्रदान करना रहा है। इसी कड़ी में इस औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया, जिससे विद्यार्थियों को उद्योग की वास्तविक परिस्थितियों से रूबरू कराया जा सके। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य निदेशक ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने योग्य बनाते हैं और उनके करियर निर्माण में मील का पत्थर साबित होते हैं। उन्होंने इस भ्रमण को सफल बनाने में सहयोग देने वाले एसईसीएल प्रबंधन तथा संकाय सदस्यों का आभार व्यक्त किया। यह औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हुआ, जिसने उनके दृष्टिकोण को विस्तृत करने के साथ-साथ व्यावसायिक और व्यवहारिक शिक्षा के नए आयाम खोले।

सनराइज प्वाइंट में रात में दिखे जंगली भैंसे ने बढ़ाई दहशत

वन विभाग ने कहा- घबराने की जरूरत नहीं, जंगलों में पुनः लौट रहा संतुलन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक में गुरुवार रात उस समय सनसनी फैल गई जब अमरकंटक-जालेश्वर मार्ग पर स्थित सनराइज प्वाइंट के पास अचानक एक जंगली भैंसा सड़क किनारे घूमता हुआ दिखाई दिया। रात लगभग 9 से 10 बजे के बीच सड़क से गुजर रहे वाहन चालक भैंसे को देखकर हैरान रह गए और उन्होंने वाहनों को रोककर उसका वीडियो बनाना शुरू कर दिया। अचानक बड़े आकार के इस जंगली जीव को देखकर राहगीरों में दहशत और रोमांच दोनों का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, अमरकंटक क्षेत्र के जंगलों में हाथी, जंगली भैंसा, बाघ, तेंदुआ और भालू जैसे बड़े वन्यजीव बहुत कम दिखाई देते हैं। इस कारण गुरुवार रात भैंसा दिखने की खबर सुनकर लोग

आशंकित होने के साथ-साथ उत्साहित भी नजर आए।

पुलिस और वन विभाग ने की गश्ती

अमरकंटक थाने की पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और जंगली भैंसा को देखकर स्थिति का जायज़ा लिया। सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला भी सनराइज प्वाइंट पर पहुँचा और क्षेत्र में गश्ती बढ़ा दी। हालांकि, तब तक जंगली भैंसा जंगल की ओर बढ़ चुका था और नज़रों से ओझल हो गया। इस मामले मे फॉरेस्ट रेंजर व्ही.के. श्रीवास्तव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि "कभी-कभार पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ से सटे जंगलों से ऐसे जंगली जानवर अमरकंटक क्षेत्र में आ जाते हैं। गुरुवार रात जंगली भैंसा दिखने की सूचना सही है, लेकिन सम्भवतः वह उसी रास्ते से वापस अपने प्राकृतिक क्षेत्र में लौट गया होगा। नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है।"

वन्यजीवों का बढ़ता विचरण

अमरकंटक क्षेत्र में हाल के दिनों में वन्यजीवों की गतिविधियाँ बढ़ी हैं। हाल ही में जालेश्वर धाम में एक बाघिन ने करीब एक सप्ताह तक डेरा जमाए रखा, जिसे बाद में वन विभाग ने रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा। कुछ दिन पहले हाथियों का झुंड भी जालेश्वर के जंगलों में विचरण करता हुआ देखा गया था। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि पूर्व में अमरकंटक क्षेत्र में हिंडाल्को और बालको कंपनी की बॉक्साइट माइनिंग और ब्लास्टिंग गतिविधियों के कारण यहाँ के जंगलों से वन्यजीवों का पलायन हो गया था, लेकिन खदानों के लंबे समय से बंद रहने के कारण अब जंगलों में पुनः संतुलन लौट रहा है और कई दुर्लभ प्रजातियों की वापसी देखी जा रही है।

अमरकंटक को वन अभ्यारण्य बनाने की मांग

वन्यजीवों की लगातार उपस्थिति को देखते हुए अमरकंटक को वन अभ्यारण्य घोषित करने की मांग तेज हो गई है। हाल ही में पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने विधानसभा में इस विषय को उठाते हुए अमरकंटक को अभ्यारण्य का दर्जा देने और उसका नाम "जामवंत अभ्यारण्य" रखने का प्रस्ताव रखा था। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अमरकंटक को वन अभ्यारण्य घोषित किया जाता है, तो न केवल यहाँ वन्यजीवों का संरक्षण होगा, बल्कि यह क्षेत्र इको-टूरिज्म का प्रमुख केंद्र भी बन सकता है।

संदेहास्पद मौत की निष्पक्ष मांग को लेकर परिजनों ने मुख्य मार्ग पर शव रखकर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर।

जिला मुख्यालय के कोतवाली अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत जमुड़ी में शुक्रवार को मृतक विकास सिंह के मामले मे पुलिस की कार्यवाही से असंतुष्टि जाहिर करते हुये अनूपपुर अमरकंटक मुख्य मार्ग पर मृतक के शव को रखकर परिजन करीब 2 घंटे तक बैठे रहे। जमुडी निवासी मृतक विकास सिंह के पिता लेखन सिंह ने बताया कि 27 अगस्त को भगवान कृष्ण की मूर्ति को विसर्जित करने विकास सिंह अपने दोस्तों के साथ गया हुआ था। इस दौरान परिजनों को जानकारी लगी कि कुछ लोग उसके साथ शराब पीकर मारपीट कर रहे थे। लड़ाई खत्म होने के बाद युवक अपने घर आ रहा था किंतु इस दौरान वह रहस्यमयी तरीके से लापता हो गया। सुबह होते ही परिजन एवं दोस्त विकास सिंह को खोजने निकले, इस दौरान मृतक का शव तालाब में देखा गया जिस पर पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने शव का मौका पंचनामा कर शव को जिला चिकित्सालय पोस्टमार्टम हेतु भेजा। धरने के दौरान परिजनों के द्वारा आरोप लगाया गया कि पुलिस की कार्यवाही से हम संतुष्ट नहीं है। मृतक के पिता ने बताया कि मेरा पुत्र 27 अगस्त को कृष्ण विसर्जन में गया हुआ था घर वापस नहीं आने पर कुछ लोगों के द्वारा बताया गया कि घर लौटते समय रात में किसी से अज्ञात कारणों से विवाद हो गया उन्होने कहा कि मेरे बेटे व मेरे साथ अन्याय हुआ है। इस मामले की निष्पक्ष जांच हो एवं दोषियों पर कार्यवाही की जाये वही एसडीओपी सुमित केरकेट्टा ने बताया कि एक व्यक्ति का शव सकरा स्थित तालाब में मिला है जिसकी पहचान विकास सिंह के रूप में हुई है जिस पर कोतवाली पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर शव को परिजनों को सौंपा गया है। घर वालों की मांग थी कि इस पर निष्पक्ष जांच करते हुए जल्द से जल्द कार्यवाही करें जिस पर परिजनों को संतुष्ट कर दिया गया है।

नगर परिषद अमरकंटक द्वारा चलाया गया अतिक्रमण विरोधी अभियान

करोड़ों रुपए मूल्य की शासकीय भूमि कराया गया खाली

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में नगर परिषद अमरकंटक के द्वारा अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया इस अभियान के तहत करोड़ों रुपए कीमती शासकीय भूमि को बलपूर्वक रिक्त कराया गया अतिक्रामकों द्वारा बेस कीमती शासकीय भूमि पर कब्जा कर कच्चा पक्का एवं झोपड़ी का निर्माण कर लिया गया था जिस पर 29 अगस्त प्रातः 10 बजे से वार्ड क्रमांक 14 में शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई। कलेक्टर अनूपपुर के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ के मार्गदर्शन में नगर परिषद अमरकंटक के अमले ने पुलिस बल तथा पटवारी की उपस्थिति में अतिक्रमण हटाया गया। तथा अतिक्रा मकों को सख्त संदेश एवं चेतावनी देते हुए कहा गया कि अब यदि अतिक्रमण कर निर्माण किया गया तो इससे ज्यादा कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी किसी को भी किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। वार्ड क्रमांक 14 में शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण को हटाया गया, जिससे क्षेत्र में अतिक्रमण मुक्त वातावरण बनाने में मदद मिली। कलेक्टर अनूपपुर के सख्त निर्देशानुसार यह कार्रवाई की गई, जो शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए प्रशासन की प्राथमिकता को दर्शाता है। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई, जिससे अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित किया जा सके। अतिक्रमण विरोधी मुहिम नगर परिषद अमले और पुलिस बल की उपस्थिति में कार्रवाई की गई, जिससे अतिक्रमणकारियों पर प्रभावी ढंग से कार्रवाई की जा सके।

आगे की कार्रवाई

आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहने की संभावना है, क्योंकि प्रशासन शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण को रोकने में मदद मिलेगी और शासकीय भूमि का संरक्षण होगा।

नगर परिषद अमरकंटक के द्वारा अतिक्रमण विरोधी चलाए गए अभियान में मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते लेखपाल चैन सिंह मंडलोई उपयंत्री देवल सिंह राजस्व प्रभारी मनीष विश्वकर्मा लिपिक गणेश पाठक गंगा सिंह मेघा सिंह तथा पटवारी अश्वनी तिवारी के साथ अमरकंटक पुलिस थाना का सुरक्षा बल तैनात रहा उल्लेखनीय एवं सराहनीय भूमिका रही जिससे सफलतापूर्वक कार्यक्रम चलाया जा सका। नगर परिषद अमरकंटक के मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते ने कहा कि आगे भी नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी तथा किए गए अतिक्रमण को बलपूर्वक हटा दिया जाएगा चाहे वह कोई भी हो नगर परिषद अमरकंटक में अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एसईसीएल के 9 विभागीय अस्पताल अब राज्य सरकार के अधीन

अस्पतालों को पब्लिक जीओआई की श्रेणी में किया गया शामिल

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के 9 विभागीय अस्पताल अब राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण (एसएचए) के अधीन हो गए हैं। इनमें जिले के कोरबा, गेवरा व बांकीमोंगरा अस्पताल को भी एसएचए के अधीन किया गया है। इन अस्पतालों को पब्लिक-जीओआई हॉस्पिटल की नई श्रेणी में रखा जाएगा। राज्य के हेल्थ बेनिफिट पैकेज और नियमों के अनुसार प्रोत्साहनऔर सेवाएं मिलेंगी। उल्लेखनीय है कि कोयला मंत्रालय के निर्देश पर कोल इंडिया के कुल 25 अस्पताल अब राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण (एसएचए) के अधीन आ गए हैं। इन अस्पतालों में मरीजों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेएवाई) के तहत कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। कोयला मंत्रालय के अलावा श्रम और रोजगार मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय, गृह मंत्रालय, खान मंत्रालय, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, विद्युत मंत्रालय, रेल मंत्रालय, शिपिंग मंत्रालय के अस्पताल भी राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण को सौंपे गए हैं। छत्तीसगढ़ में कोल इंडिया के कई अस्पताल हैं, जिनमें छत्तीसगढ़ मे रिजनल हॉस्पिटल, एसईसीएल चरचा, बैकुंठपुर क्षेत्र, कोरिया रिजनल हॉस्पिटल, एसईसीएल कुरासिया शामिल हैं। इन अस्पतालों में अब मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

इन 9 अस्पतालों को किया गया शामिल

एसईसीएल के जिन 9 विभागीय अस्पतालों को राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण (एसएचए) में शामिल किया गया है। उनमें एसईसीएल मेन हॉस्पिटल कोरबा, बांकीमोंगरा हॉस्पिटल, नेहरू शताब्दी हॉस्पिटल गेवरा शामिल है। इसके अलावा कोरिया के रिजनल हॉस्पिटल चरचा, रिजनल हॉस्पिटल कुरासिया कोरिया, सेंट्रल हॉस्पिटल मनेन्द्रगढ़, हसदेव क्षेत्र, सेंट्रल हॉस्पिटल बिलासपुर, सेंट्रल हॉस्पिटल बिश्रामपुर, रिजनल हॉस्पिटल कोतमा कॉलरी जमुना - कोतमा क्षेत्र अनूपपुर शामिल हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल गुप्ता का बयान दुर्भाग्यपूर्ण- भाजपा जिलाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने एक वरिष्ठ नेता के द्वारा जैतहरी में आयोजित एक कार्यक्रम दौरान महिलाओं के प्रति दिए गए विवादित बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी महिलाओं का सदैव सम्मान करती है यदि वरिष्ठ नेता ने किसी भी महिला के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया है तो वह दुर्भाग्यपूर्ण है। संगठन के किसी भी कार्यकर्ता और पदाधिकारी को कोई ऐसी बात किसी ऐसे मंच से नहीं करना चाहिए जिससे कि किसी के मान सम्मान को ठेस पहुंचे। हम ऐसे बयान को लेकर संवेदनशील हैं प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।